तापमान

अधिकतम 17 .3 डिग्री
न्यूनतम 4 .5 डिग्री

हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, सोमवार 12 जनवरी 2026

11 शिक्षण संस्थाएं बच्चों को अच्छे संस्कार दें व प्राचीन ...

12 राष्ट्रीय निशानेबाजी में निआ की बड़ी उपलब्धि ...

खबर संक्षेप

नशे के खिलाफ जिला स्तरीय छात्र संसद आज

रोहतक। नव युवा फाउंडेशन द्वारा 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट में जिला स्तरीय छात्र संसद का आयोजन कराया जाएगा। हर वर्ष नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किये जाने वाली इस संसद में इस बार भी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर पंजीकरण कराया गया। पिछले वर्ष मार्च में नव युवा छात्र संसद का आयोजन अखिल भारतीय जाट सूरमा महाविद्यालय में किया गया था, जिसमें युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था और मिल जुलकर नशे के विरुद्ध प्रस्ताव पास किया था। इस संसद के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रातः 11 बजे अर्जुन अवार्डी अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी दीपक निवास हुड्डा करेंगे व पुरस्कार वितरण व समापन समारोह की अध्यक्षता सांय 4 बजे उपायुक्त सचिन गुप्ता करेंगे।

श्री कृष्ण गोशाला में मकर सक्रांति उत्सव 14 को

महम। कस्बा महम के फरमाणा रोड पर स्थित श्री कृष्ण धर्मशाला में बुधवार 14 जनवरी को मकर सक्रांति उत्सव मनाया जाएगा। सुबह 10 बजे हवन का आयोजन किया जाएगा। 11 बजे कलाकार भजन और रागनी सुनाएंगे। दोपहर 12 बजे मुख्य अतिथि का आगमन होगा। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, जबकि शिवानंद धर्मार्थ औषधालय खेड़ी महम के निदेशक डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

गुरुद्वारा विझलका साहिब का वार्षिक दीवान 23 को

महम। टाऊन पार्क के पास स्थित गुरुद्वारा विझलका साहिब में शुक्रवार 23 जनवरी को 16वें वार्षिक दीवान का आयोजन शुरू किया जाएगा। पहले दिन सुबह दस बजे श्री अखंड पाठ साहिब शुरू किया जाएगा। 24 और 25 जनवरी को भी वार्षिक दीवान के कार्यक्रम चलेंगे। रविवार 25 जनवरी को सुबह दस बजे अखंड पाठ साहिब के बाद भोग लगाया जाएगा।

फ्री कैंप में 28 मरीजों ने करवाई हड्डियों की जांच

रोहतक। रविवार को मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से सांघी गांव में बीपी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर पर फ्री कैंप का आयोजन किया गया। जिसके अंदर गांव और आसपास के मरीजों ने आकर हड्डी और जोड़ों के दर्द की जांच करवाई। कैंप में डॉक्टर अरमान ने लोगों की जांच की। इस कैंप में कुल 28 मरीज इलाज करवाने पहुंचे। संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि बीपी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर के संरक्षक शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी राजेश जैन हैं।

डॉ. मधु वर्मा हरियाणा समिति की प्रधान बनीं

रोहतक। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कल्याण समिति, हरियाणा की अहम रविवार को रोहतक में आयोजित की गई। बैठक में संगठन से जुड़े लंबित मामलों, सेवा संबंधी मुद्दों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से समिति के वर्तमान कार्यकाल को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान सेवा हितों को ध्यान में रखते हुए डॉ. मधु वर्मा (अंबाला) को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कल्याण समिति, हरियाणा के प्रधान पद पर नियुक्त किया गया। सदस्यों ने विश्वास जताया कि डॉ. मधु वर्मा के नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा।

पेटदर्द, दस्त, उल्टी, बुखार और त्वचा संबंधी बीमारी बढ़ रही, जनस्वास्थ्य विभाग चुप

प्रेम नगर में गंदे पानी से लोग अब होने लगे बीमार, पीना तो दूर नहाना भी मुश्किल

पानी का रंग और गंध दोनों ही खराब, स्वास्थ्य पर खतरा | लोगों ने चेताया, हालत नहीं सुधरे तो सड़क पर उतरेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की प्रेम नगर कॉलोनी में बीते कई दिनों से दूषित पेयजल की सप्लाई होने के कारण क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। नलों से आ रहे गंदे, पीले और बदबूदार पानी ने कॉलोनीवासियों की सेहत पर गंभीर असर डालना शुरू कर दिया है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं में पेट दर्द, उल्टी-दस्त, बुखार और कमजोरी जैसी शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि लोगों का रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है।

शुद्ध पानी की सप्लाई नहीं हुई तो करेंगे प्रदर्शन

प्रेम नगर के निवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही दूषित पानी की सप्लाई बंद कर शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं कराया गया तो वे जनस्वास्थ्य विभाग और नगर निगम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। लोगों ने उपायुक्त सचिन गुप्ता से भी हस्तक्षेप की मांग की है ताकि इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

स्वच्छ पानी कब मिलेगा

यदि समय रहते उचित कदम उठाए जाते तो इस तरह की स्थिति उत्पन्न नहीं होती। जन स्वास्थ्य विभाग की वजह से लोगों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

-ईशिता

पानी का रंग बदला

पानी का रंग और गंध दोनों ही बेहद खराब हैं। इस पानी का उपयोग पीने तो दूर, नहाने और खाना बनाने में भी मुश्किल हो रही है। पानी पीने से छोटे बच्चों की तबीयत बिगड़ रही हे।

-मोनिका

बाहर से मंगा रहे पानी

मजबूरी में उन्हें बाहर से बोतलबंद या टैंकर का पानी खरीदना पड़ रहा है, जो हर परिवार के लिए संभव नहीं है। मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए यह अतिरिक्त खर्च आ रहा है।

-राकेश

गंदे पानी से दिक्कत

अधिकारियों द्वारा पानी के सैंपल जरूर लिए गए, लेकिन उसके बाद भी दूषित पानी की सप्लाई बंद नहीं की गई। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति गहरा रोष है।

-संजय भाम्भरी

सफाई न होने से बढ़ी परेशानी, ग्रामीणों में रोष

बोहर गांव की फिरनी पर बने नाले ओवरफ्लो, बह रहा दूषित-बदबूदार पानी

- गांव में प्रवेश करने का यह मुख्य रास्ता होने के कारण यहां से हजारों वाहनों का रोज होता है आवागमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बोहर गांव की फिरनी पर बने नालों की नियमित सफाई न होने से हालात बद से बदतर हो गए हैं। नालों में जमा गंदगी और सिल्ट के कारण दूषित पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों व गलियों में बह रहा है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में प्रवेश करने का यह मुख्य रास्ता होने के कारण यहां से रोजाना हजारों लोगों और वाहनों का आवागमन होता है, लेकिन नालों के ओवरफ्लो होने से यह रास्ता अब लोगों के लिए परेशानी और खतरे का सबब बन गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से नालों की सफाई नहीं की गई, जिसके चलते हल्की सी पानी की आवक होते ही नाले भर जाते हैं। गंदा पानी सड़क पर फैलकर कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर फिसलकर गिरने का खतरा बना रहता है। कई बार वाहन चालक हादसों का शिकार हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

रोहतक। गलियों में फैला दूषित पानी। फोटो : हरिभूमि

बच्चों और बुजुर्गों का बाहर निकलना मुश्किल

सबसे चिंताजनक स्थिति गांव के अंदर की गलियों में बनी हुई है। यहां भी नालों की सफाई न होने से गंदा पानी घरों के सामने तक भर जाता है। बदबू और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का डर सता रहा है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभागों को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

नालों के ऊपर का बेस तैयार किया जा रहा

गांव में नालों के ऊपर का बेस भी तैयार किया जा रहा है। ताकि आने जाने में किसी को परेशानी का सामना न करना पड़े। अगर कहीं पर इस तरह की समस्या बनी हुई है तो उसका तुरंत समाधान करवा दिया जाएगा। आमजन को इसके लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

-सुमित नांदल, पार्षद प्रतिनिधि, वार्ड-10

शहर से सटा गांव

ग्रामीणों का कहना है कि बोहर गांव रोहतक शहर से सटा हुआ है और यहां से रोजाना बड़ी संख्या में लोग कामकाज व अन्य जरूरतों के लिए शहर की ओर जाते हैं। ऐसे में फिरनी पर बने नालों की बदहाली न केवल ग्रामीणों, बल्कि राहगीरों के लिए भी परेशानी का कारण बन रही है। दूषित पानी के कारण सड़क की हालत भी खराब होती जा रही है, जिससे भविष्य में बड़े गड्ढे बनने का खतरा है।

सफाई करवाई जाए

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नालों की तुरंत सफाई कराई जाए और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि इस समस्या से स्थायी राहत मिल सके। इसके साथ ही गांव के अंदरूनी इलाकों में भी नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

पुलिस की सराहनीय पहल, लोगों को लगातार कर रही जागरूक

5 युवाओं की नशे की लत छुड़ाई, मिली नई जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक सराहनीय पहल सामने आई है, जिसमें 5 युवाओं को नशे की लत से मुक्त कराकर उन्हें नई जिंदगी की ओर अग्रसर किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया के दिशा-निर्देशों में नशा मुक्ति टीम द्वारा की गई, जो निरंतर आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रही है। पुलिस की नशा मुक्ति टीम प्रतिदिन शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न स्थानों पर जाकर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक कर रही है। सार्वजनिक स्थानों पर नशे का सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। समय-समय पर पार्कों, सार्वजनिक स्थलों एवं संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी कर नशा करने वालों पर कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाती है। इस अभियान के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि जो व्यक्ति नशे का शिकार हो चुके हैं और नशा छोड़ने की इच्छा रखते हैं, उन्हें दंडित करने के बजाय सही मार्गदर्शन और उपचार उपलब्ध कराया जाए।

रोहतक। युवाओं को नशे से छुटकारा दिलाते के बाद उप निरीक्षक अमर सिंह एवं सहायक उप निरीक्षक मोहन।

आईआईएम में मानव-केंद्रित नेतृत्व, ब्रांड रिश्तों और भविष्य के कार्य मॉडल पर मंथन

रोहतक। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) ने "सीमाओं से परे संस्कृति इंसान-केंद्रित काम, ब्रांड रिश्ते और नेतृत्व नेटवर्क" विषय पर मैनेजमेंट कॉन्क्लेव 2026 का सफल आयोजन किया। इस शैक्षणिक आयोजन में 300 से अधिक छात्र, शिक्षक और उद्योग जगत के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य भाषण पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. देवी शेट्टी, संस्थापक नारायणा हेल्थ ने दिया। उन्होंने बताया कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म, बीमा नवाचार और किफायती मॉडल भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बना रहे हैं। कॉन्क्लेव में पेप्सिको, नेस्ले, आईटीसी इन्फोटेक, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी, एसबीआईकैप सिक्योरिटीज, अशोक लेलैंड, डेल्हीवरी और डॉ. रेड्डीज जैसी प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने नेतृत्व, मार्केटिंग, रणनीति, फाइनेंस और मानव संसाधन से जुड़े अनुभव साझा किए। कार्यक्रम की शुरुआत डीन (शैक्षणिक) प्रो. कौस्तब घोष ने की। उद्घाटन सत्र में जनरेशन जेड की अपेक्षाओं, भावनात्मक समझ और उद्देश्य आधारित नेतृत्व पर जोर दिया गया। इसके बाद तीन पैनल चर्चाएं हुईं, जिनमें डिजिटल युग में नेतृत्व, अटेंशन इकोनॉमी में ब्रांड लॉयल्टी और हाइब्रिड वर्क कल्चर जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

तिलक नगर में गिरने से गई मजदूर की जान

रोहतक। तिलक नगर क्षेत्र में मजदूरी के दौरान हुए एक हादसे में 45 वर्षीय व्यक्ति की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान मान धर्मनाथ यादव पुत्र निवासी गोपालगंज, बिहार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में सुनारिया चौक में रह रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक तिलक नगर में मजदूरी करने आए थे। कार्य के दौरान पैर फिसलने से वह नीचे गिर गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घायल अवस्था में उन्हें तुरंत पीजीआई में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान देर रात उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पार्षद अधिकारियों व जनता से आज करेंगे बैठक

कई दिन से ठेकेदार काम पर नहीं आया

लाढ़ौत रोड पर टाइल बिछाने को लेकर विवाद गहराया

- टूटे रोड की वजह से हजारों वाहन चालकों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

लाढ़ौत रोड पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य को लेकर विवाद और गहरा गया है। स्थानीय लोगों के विरोध के बाद अब ठेकेदार ने काम पर आना बंद कर दिया है, जिससे निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वार्ड नंबर नौ के पार्षद बिजेंद्र हुड्डा ने सोमवार को बीएंडआर विभाग के अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ मौके पर बैठक कर समाधान निकालने की बात कही है। वहीं टूटे रोड और निर्माण सामग्री रास्ते में पड़ी होने के चलते हजारों वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। नए साल पर स्थानीय निवासियों ने सड़क निर्माण में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए काम रुकवा दिया था। लोगों का कहना है कि पहले से बनी पक्की सड़क पर टायल बिछाई जा रही हैं, जो भारी वाहनों और स्कूल बसों के दबाव को सहन नहीं कर पाएंगी। इससे सड़क कुछ ही समय में टूटने की आशंका है। आरोप है कि सड़क पर बहुत कम मात्रा में सीमेंट डालकर टायल बिछाई जा रही हैं और कहीं-कहीं पुरानी टायल का इस्तेमाल किया जा रहा है। लाढ़ौत रोड से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। यह मार्ग सुखपुरा चौक से केवीएम कॉलेज तक प्रमुख संपर्क सड़क है। लोगों का कहना है कि करीब 20 साल पुरानी इस सड़क का केवल 75 प्रतिशत हिस्सा ही जर्जर था, ऐसे में पूरी सड़क को तोड़ने का निर्णय समझ से परे है।

विरोध के कारण काम रोकना पड़ा

यह निर्माण कार्य बीएंडआर विभाग द्वारा करवाया जा रहा था। लोगों ने निर्माण का विरोध कर दिया जिसके बाद काम बंद हो गया है। विभाग के पास आगे की क्या प्लानिंग है, इसकी जानकारी नहीं है। सोमवार को अधिकारियों से मिलकर काम शुरू करवाने का प्रयास करेंगे।

-पार्षद बिजेंद्र हुड्डा, वार्ड नंबर नौ

रैंप तोड़े जाने से लोगों में नाराजगी

निर्माण कार्य के दौरान सड़क किनारे बने कई मकानों के रैंप तोड़े जाने से भी लोगों में नाराजगी हो गई थी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि ये रैंप उन्होंने अपने निजी खर्च पर बनवाए थे। बिना पूर्व सूचना रैंप तोड़े जाने से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को भारी परेशानी हो रही है। लोगों ने इसे प्रशासन की मनमानी बताया है।

चमकीली धूप निकली, लेकिन सर्द पश्चिमी हवाओं के सामने लोगों की कंपकंपी छूटती रही

अभी तक जनवरी के दिन पिछले साल की अपेक्षा औसतन 1.2 व रातें 0.8 डिग्री ज्यादा ठंडी

कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम गेहूं की फसल के लिए लाभदायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रविवार को चमकीली धूप निकली। लेकिन सर्द पश्चिमी हवाओं के सामने लोगों की कंपकंपी छूटी रही। हाल ये था कि वायु के थपेड़ों ने लोगों को घरों में ही दुकबने रहने के लिए मजबूर किया। रोहतक में जनवरी 2026 के पहले दस दिनों की तुलना अगर जनवरी 2025 के दिनों से करें तो दिन का औसत तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस और रात का 0.8 डिग्री सेल्सियस कम रहा है। प्रदेश के औसत तापमान पर नजर दौड़ाएं तो इस समय अधिकतम पारा सामान्य से 0.8 डिग्री और न्यूनतम 2.1 डिग्री सेल्सियस कम है। राज्य में नारनौल सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया। यहां सुबह साढ़े पांच बजे पारा 1.5 डिग्री सेल्सियस था। मौसम में पहली बार कहीं-कहीं पाला गिरा भी दिखाई दिया है। जोकि गेहूं फसल के लिए कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक लाभदायक है। लेकिन सरसों में इसका नुकसान है। क्योंकि फसल इस समय फूल की अवस्था में है। विशेषज्ञों का कहना है कि जिन किसानों के यहां सरसों फसल है, वे तुरंत सिंचाई करें। नहीं तो पाले से उसमें काफी नुकसान होगा।

कड़ाके की ठंड से बचें

शरीर को गर्म रखने से सर्दी-जुकाम, फ्लू और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव हो सकता है। आपके घर के जिन कमरों का आप नियमित रूप से उपयोग करते हैं, जैसे कि बैठक कक्ष और शयनकक्ष, उन्हें कम से कम 18 डिग्री सेल्सियस तक गर्म रखना चाहिए। सर्दी के कारण वाली ठंड के लिए, घरेलू देखभाल जैसे गर्म कपड़े या गर्म तरल पदार्थ वाले पदार्थ, जैसे गर्म कॉफ़ी या चाय आदर्श रूप से मान्य है। किसी बीमारी या विकार का पता लगाने के लिए आप अपने डॉक्टर से चिकित्सा सलाह लें। किसी भी सूरत में कोई दवा बिना डॉक्टर की सलाह के लें। ठंड के कारण बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है। विशेषकर बच्चे और बुजुर्ग प्रभावित हो रहे हैं। पीजीआईएमएस में मरीजों की संख्या पिछले एक सप्ताह में बढ़ी है।

जनवरी 2026		जनवरी 2025	
तारीख	पारा	तारीख	पारा
अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम
1 को 16	09	1 को 13	07
2 16	09	2 14	07
3 16	08	3 17	07
4 16	07	4 19	08
5 15	07	5 17	08
6 13	07	6 15	10
7 14	07	7 15	09
8 15	05	8 19	06
9 17	05	9 20	07
10 16	06	10 17	08

डेटा स्रोतः एक्यूवेदर

हसनगढ़ में पंचायती जमीन की मिट्टी चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

हसनगढ़ गांव में पंचायती जमीन से बड़े पैमाने पर मिट्टी चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात लोगों द्वारा पंचायत की करीब चार एकड़ भूमि से लाखों रुपये की मिट्टी चोरी कर ली गई। रविवार को जब ग्रामीण अपने खेतों में पहुंचे तो उन्होंने पंचायती जमीन की हालत देखकर गहरा रोष जताया और पंचायत प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में पिछले कुछ समय से खनन माफिया सक्रिय है और अवैध रूप से मिट्टी का खनन धड़ल्ले से किया जा रहा है। आरोप है कि रात के समय भारी मशीनरी का इस्तेमाल कर मिट्टी निकाली गई, लेकिन न तो पंचायत ने समय रहते कोई कदम उठाया और न ही प्रशासन की ओर से कोई निगरानी की गई। लोगों के अनुसार चोरों ने पंचायती जमीन से करीब 10 से 15 फुट गहराई तक मिट्टी निकाल ली है। इससे न केवल पंचायत की संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है, बल्कि भविष्य में इस जमीन पर जलभराव और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

सांस्कृतिक विरासत

हरियाणा के हिसार जिले में स्थित प्राचीन राखीगढ़ी एक महत्वपूर्ण सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल है। यह भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है। इसे अब तक के सबसे बड़े ज्ञात नगरों में से एक माना जाता है, जहाँ प्राक-हड़प्पा और परिपक्व हड़प्पा काल के प्रमाण मिलते हैं। इससे यह प्राचीन भारतीय सभ्यताओं की समझ के लिए महत्वपूर्ण है और इसे एक प्रतिष्ठित पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पारिवारिक संबंधों की सुदृढ़ नींव है पर्व 'संकरात'

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दु:प्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है।

पर्व

डा. रमाकांता

बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

हरियाणा प्रदेश को पर्व-व्रतों का प्रदेश होने का भी गौरव प्राप्त है। यहां त्योहारों को प्रदेश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान प्राप्त है। सप्ताह के सातों दिन पर्व अथवा व्रत के रूप में मनाए जाते हैं। एक महीने में कृष्ण पक्ष तथा शुक्ल पक्ष, दो एकादशी, एक पूर्णिमा, एक अमावस्या व्रत होते हुए भी यहां पर्व तथा व्रतों की लम्बी श्रृंखला है, जिनमें कुछ पर्व ऋतु प्रधान हैं तथा कुछ ऋतु परिवर्तन पर आयोजित किए जाते हैं। ऋतुओं में सामण-फागण, तीज, होली तथा दुलेहन्डी प्रमुख हैं। इसी प्रकार ऋतु परिवर्तन के आधार पर मनाए जाने वाले पर्वों में बसन्त पंचमी तथा मकर संक्रांति (संकरात) विशेष रूप से जनमानस में मनाए जाते हैं। हरियाणा प्रदेश में मकर संक्रांति को स्नान-दान, पूजा तथा अर्चना करने के रूप में मनाया जाता है। संक्रांति का अर्थ है एक राशि का दूसरी राशि में प्रवेश करना। यह एक ज्योतिषीय आधारित भूगोलीय परिवर्तन होता है जिसका प्रभाव पर्यावरण पर भी पड़ता है। पर्यावरण तथा प्राकृतिक परिवर्तन का प्रभाव जनमानस के जीवन पर पड़ना भी स्वाभाविक है। इस स्थिति को सन्धि अथवा संक्रांतिकाल कहा जाता है। सूर्य, पृथ्वी लोक का प्रत्यक्ष देवता माना जाता है। छह मास तक सूर्य उत्तरायण में तथा छह मास दक्षिणायन में होता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में मकर राशि में आ जाता है। इसे पृथ्वी पर लोकमान्यता के अनुसार सूर्यसंक्रमण कहा जाता है। सूर्य की गतिनिर्धारित है इसलिए इनकी तिथियां भी निश्चित होती हैं। केवल लीप वर्ष में एक दिन का अन्तर पड़ जाता है।

मकर संक्रांति के दिन को पुराणों में महत्वपूर्ण माना गया है। इस समय देह त्यागने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाभारत में भीष्म पितामह ने शरशय्या पर उत्तरायण की कई दिनों तक की प्रतीक्षा की थी तथा उत्तरायण में ही इच्छा-मृत्यु प्राप्त की थी। 'संकरात' पर्व हरियाणा प्रदेश की लोक संस्कृति की ऐसी धरोहर है जो भविष्य में कभी लुप्त नहीं होगी। समय के कालचक्र का कई पारिवारिक तथा सामाजिक संस्कार ग्रास बन गए किन्तु मकर संक्रान्ति पर हरियाणा के प्रायः सभी वर्गों में घर-परिवार के बड़े-बुजुर्गों को मनाने अर्थात मान-सम्मान देने की पीढ़ी-दर-पीढ़ी परम्परा आज भी जीवित है। हरियाणा प्रदेश के पर्वोत्सवों की यह विशेषता है कि प्रत्येक त्योहार किसी न किसी मानवीय, पशु जीवों, देवी-देवताओं से संबंध रखता है। उदाहरण के लिए सावन बहू-बेटी के मान के लिए, 'देवोठनीग्यास' देवों के जागने, 'तुलसी विवाह', वनस्पति सम्मान, 'गोवर्धन', 'गोपाष्टमी', गऊ संवर्धन के लिए, 'रक्षाबंधन' भाई-बहन के लिए, होली के लिए, पिता-पुत्र के संबंधों, गूंगा नवमी, सर्पों की पूजा इत्यादि निश्चित हैं। इसी श्रृंखला में संकरात का महत्त्व और भी बढ़ जाता है।

इस पर्व का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि प्राचीन संयुक्त परिवार के दर्शन इनके निर्वहन में हो जाते हैं। परिवार में छोटे-बड़े की गरिमा का पूरा ध्यान रखा जाता है। एक दादा की वंशावली में 'प्रोटोकोल' का पूरा ध्यान रखकर यह पर्व मनाया जाता है। जैसे दादसरा, दादस, तायसरा, तायस, पित्तस, मौसस, फूफस आदि। यह पर्व सारे परिवार के सदस्यों को एक सूत्र में बांधने की परम्परा को दर्शाता है। दूसरा लाभ यह भी होता है कि यदि परिवार में किसी प्रकार का मन-मुटाव भी हो तो वह भी एक ही झटके में दूर हो जाता है। सभी इकट्ठे होकर हर्षोल्लास से संकरात मनाते हैं। बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दुःप्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है। स्नान गांव के तालाब अथवा नदी या कुएं पर किया जाता था क्योंकि सबका तीर्थ स्नान करना संभव नहीं होता था। इसके बाद सभी युवा मिलकर गांव की गलियों तथा मैदानों की सफाई करते थे तथा कूड़ा-कर्कट (घास-फूस लकड़ी) आदि एक स्थान पर एकत्रित कर देते थे। उस कूड़े को जला कर सभी इर्द-गिर्द बैठकर आग सेंकते थे तथा ठंड कम करते थे। हमें अपने पूर्वजों पर गर्व होता है कि उन्होंने प्रत्येक पर्व के आयोजन के पीछे स्वस्थ और पर्यावरण की शुद्धि का विचार पहले रखा। संभवतः संकरात पर सफाई करने की योजना से प्रभावित होकर ही वर्तमान में स्कूलों व कॉलेजों में एनएसएस स्कीम चालू की गई होगी। गांव की सामूहिक सफाई, एक ही दिन, सबके द्वारा करने का इतना सटीक व सुन्दर उदाहरण किसी अन्य संस्कृति में मिलना संभवतः दुर्लभ है। संक्रांत के दिन एक पंथ दो काज सिद्ध होते हैं। एक तो सारे गाँव की सफाई, श्रम की बचत, दूसरा सामुदायिक एकता तथा सुदृढ़ भाईचारे की अभिव्यक्ति। इसके पश्चात् सब मिलकर गुड़-तिल का बना मिष्ठान ग्रहण करते हैं तथा सबमें बांटते हैं। आज भी यह प्रथा कहीं-कहीं प्रचलित है। इस दिन महिलाएं स्नानादि से निवृत्त होकर पीपल, बड़ तथा तुलसी की पूजा करती हैं तथा उनमें सम्बन्धित भजन तथा गीत गाती हैं। बड़ को अक्षय सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। सावित्री ने भी अपने पति के जीवनदान के लिए बड़-पूजन किया था। एक गीत इस प्रकार गाया जाता है -

तैं चैड़ा चिकणा, तैं विरमा का पूत
तेरी डाली सींच के सदा पावैं हम सुख

इस दिन महिलाएं घर में बढ़िया स्वादिष्ट भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान करती हैं। कभी-कभी भोज्य सामग्री जिसे जनभाषा में 'सिद्धा' कहा जाता है, मन्दिरों अथवा ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन डेरों तथा मंदिरों में भंडारे भी लगाए जाते हैं जिसमें खिचड़ी का भोग लगाकर प्रसाद बांटा जाता है। इस दिन खिचड़ी कबनाने के सन्दर्भ में त्रेतायुग की एक घटना प्रासंगिक है जो आज भी जनमानस में कही सुनी जाती है। इस घटना का सम्बन्ध गुरु गोरखनाथ से है।

पौराणिक कथा में है वर्णन

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) गोरखनाथ की तपस्थली है। एक पौराणिक कथा के अनुसार त्रेतायुग में गोरखनाथ भ्रमण करते-करते हिमाचल प्रदेश के 'ज्वालाजी' स्थान पर गए। वहां उन्हें महामाया ज्वालाजी ने भोजन पर आमंत्रित किया, किन्तु गोरखनाथ ने मांसाहार ग्रहण करने से इनकार कर दिया। उन्होंने ज्वालाजी को आग जलाकर तैयार रहने को कहा तथा स्वयं भिक्षा लेकर शीघ्र लौटने की कहकर भिक्षाटन हेतु चले गए। वे अनेक तीर्थों पर गए और अन्त में इरावती नदी के किनारे एक रमणीय स्थान पर एकान्त में तपस्या में लीन हो गए। यह वही स्थान है जहां आज गोरखपुर है। गोरखनाथ फिर कभी वापस ज्वालाजी नहीं गए। गोरखनाथ वहीं सरोवर तट पर एक आसन पर धूना लगाकर बैठ गए। गोरखनाथ की तपःस्थली के आस-पास की जनता में शीघ्र ही यह बात फैल गई कि एक तपस्वी खिचड़ी की भिक्षा लेने हेतु तपोवन में आए हुए हैं। सभी उनके भिक्षा पात्र (खप्पर) में खिचड़ी डालने लगे तथा दर्शन करने लगे। लोगों को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि असंख्य लोगों द्वारा खप्पर में खिचड़ी डालने पर भी खप्पर सदैव खाली रहता। जनता यह जान चुकी थी कि तपस्वी कोई साधारण पुरुष नहीं अपितु कोई चमत्कारी, सिद्ध व दिव्य पुरुष हैं। एक दिन गोरखनाथ ने स्वयं अपने हाथों से खिचड़ी बनाई तथा प्रसाद रूप में जनता को बांटने लगे। असंख्य लोग उस प्रसाद को ग्रहण करते किन्तु खप्पर फिर भी भरा ही रहा। यह चमत्कार मकर संक्रांति को हुआ। यह उपक्रम निरन्तर चालू रहा तथा आगे चल कर इस दिन विशेष मेला भी भरने लगा। गोरखनाथ ने जनता को इच्छानुसार बोरियाँ भरकर खिचड़ी ले जाने को कहा। खप्पर से असंख्य लोग खिचड़ी ले गए किन्तु खप्पर यथावत भरा ही रहा। आज भी गोरखपुर में उसी परम्परा का निर्वहन हो रहा है तथा प्रति वर्ष मकर संक्रांति को यहां पर भव्य खिचड़ी (खिच्चड़) मेला आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर भक्तजन दाल, चावल की खिचड़ी का चढ़ावा चढ़ाते हैं तथा अपनी मन्नत पूरी होने की कामना करते हैं। निसंदेह आस्थावान व्यक्तियों की सभी कामनाएं इस धूने पर मत्था टेकने से पूर्ण होती हैं। इस स्थान को धर्मनाथ पंथ (बारह पंथ में एक पंथ) का 'मथ्या टेक' भी कहा जाता है।

संकरात पर अपने घर के बुजुर्गों को 'मनाने के लिए' जाते समय महिलाएं जकड़ी गीत गाती हुई जाती हैं। उदाहरण स्वरूप जकड़ी गीत दृष्टव्य है-

सास मनै राजी बोलिए, राजी बोलिए
मां-बाप छोड़ कै आई
बहु ए तनै राजी बोलूं ना, राजी बोलूं ना
मेरी धुर की तील ना ल्याई
रे बहु जगाई जागी कोन्या आपे चाकी झोई
पीस छाण कै चढ़ी चुबारे, फिर बी सूती पाई।

गीत | त्रिलोक चंद फतेहपुरी

अनेकता में एकता

अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ, मिलै एक मिजान मैं ।।

हर प्रदेश की भाषा न्यारी कई ढाळ की बोली सै ।
म्हारी हिंदी सभ भाषा की बण कै रही बिचौली सै ।
गाम शहरां की हमजोली सै, हरदम रहती ध्यान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

तीज -त्यौहार बरत -बड़ूले सभ के न्यारे न्यारे
कला संस्कृति रीति -रिवाज फैशन के अलग नजारे
एक दूजे के बने सहारे सुख दुःख के दरमियान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

अपणे-अपणे खाण-पाण का लोग लेय चटखारा
मकई बाजरा लिट्टी चोखा इडली डोसा प्यारा
चावल खावै देश यो सारा, मजा मिले मिष्ठान मैं ।
अनेकता में एकता , या देख हिंदुस्तान में।।

कश्मीर से कन्याकुमारी चौपाटी से गौहाटी
वसुधैव कुटुंबकम की निभा रहे परिपाटी
भारत माता की माटी पावन पुनीत विधान मैं ।
अनेकता मैं एकता या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ मिले एक मिजान मैं ।।

लघुकथा | जयदेव राठी

बुजुर्ग की सीख

गाम मैं एक बुजुर्ग आदमी रहै था। उसका नाम था रामसिंह। बुजुर्ग कै धौरै घणी जमीन थी, उनका एक ही बेटा था - धर्म सिंह।

धर्म सिंह बड़ा तेज था। पढ़ाई-लिखाई में होशियार तो था ए, पर उसनै घर के काम-धंधे का कुछ ना आवै था। ना उसनै खेत मै आणा जाणा पडा करता, ना ही उसनै न्यू बेरा था कि खेती क्यूकर करां करै सैं ।

एक दिन रामसिंह नै धर्म सिंह तै कहया, 'बेटा, तू पढ़-लिख ल्यो तो बोहत अच्छी बात सै, पर जमीन तै जुड़ना भी जरूरी सै। चल मेरे गेल्यां खेतां मैं।'

धर्म सिंह नै मन मसोस कै हां कर दी। रामसिंह उसनै खेतां में ले ग्या सारा दैन उन्नै धर्म सिंह ताईं मिट्टी, पाणी, फसल, अर बीज के बारै मै बताया।

धर्म सिंह नै सोच्या, 'यो सब तो बोहत आसान काम सै।' पर जब उसनै खुद हळ चलाण की कोशिश करी, तो उसकै हाथ मै छाळे पड़ गे।

रामसिंह मुस्कराया अर बोल्या, 'बेटा, किताबी ज्ञान अर धरती का ज्ञान दोन्नु जरूरी होवैं सैं। एक बिना दूसरै कै अधूरा सै।

उस दैन तै धर्म सिंह रोज थोड़ा-थोड़ा खेतां में काम करण लाग ग्या । उसनै समझ आ गी के असली ताकत तो मेहनत अर धरती तै जुड़े रहण मै सै।

आज धर्म सिंह एक बड़ा अफसर सै, पर उसकै घर मैं उसकी अपणी छोटी-सी बगिया सै जित वो अपणे हाथ्यां तै सब्जी उगावै सै। बाबा की सीख उसनै हमेशा याद रहवै सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत | यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं

करवट लेता इतिहास है हिसार जिले का 'राखीगढ़ी'

सभ्यता | दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वास्तव में राखीगढ़ी के टीले महज मिट्टी के ढेर नहीं हैं; ये हमारे स्वाभिमान के स्तंभ हैं। यह महोत्सव और यहाँ चल रहा शोध कार्य आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाता रहेगा कि सभ्यता का सूर्य पश्चिम से नहीं, बल्कि भारत की इसी धरती से उदित हुआ था। डॉ. चंद्र त्रिखा के शब्दों में कहें तो, विसंगतियों से भरे इस उपमहाद्वीप में, राखीगढ़ी ने हमें हमारा खोया हुआ गौरव लौटा दिया है।

हमें स्कूलों में यही पढ़ाया गया कि हमारी प्राचीनता के प्रमाण 'हड़प्पा' और 'मोहनजोदड़ो' विभाजन के बाद पाकिस्तान के हिस्से में चले गए। भारतीयों के मन में एक कसक थी कि सिंधु घाटी सभ्यता की धड़कन सीमा के उस पार है, लेकिन हरियाणा के हिसार जिले के 'राखीगढ़ी' गाँव ने इस धारणा को अब पूरी तरह से बदल दिया है। माना जा रहा है कि हड़प्पा सभ्यता का शरीर भले ही पाकिस्तान में हो, लेकिन उसकी 'आत्मा' यानि उसकी 'राजधानी' हरियाणा की माटी में दबी हुई है।

पुरातत्व की दुनिया में राखीगढ़ी ने एक नई अवधारणा स्थापित कर दी है। डेक्कन कॉलेज, पुणे के विख्यात पुरातत्व विशेषज्ञ प्रो. वसंत शिंदे और हरियाणा पुरातत्व विभाग के संयुक्त शोध ने यह सिद्ध कर दिया है कि यह कोई सामान्य बस्ती नहीं थी। जहाँ हम हड़प्पा और मोहनजोदड़ो का गुणगान करते थे, वहीं राखीगढ़ी का फैलाव लगभग 5500 हेक्टेयर क्षेत्र में था। यह आँकड़ा इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे विशाल नगर घोषित करता है। समय के पहिये को पीछे घुमाएं, तो कार्बन डेटिंग बताती है कि आरजीआर-6 से प्राप्त अवशेष 6500 वर्ष पुराने हैं। इसका मतलब यह हुआ कि जब मिस्र और मेसोपोटामिया की सभ्यताएं शैशवावस्था में थीं, तब हरियाणा के मैदानों में एक उन्नत समाज सांस ले रहा था। राखीगढ़ी की खुदाई में मिले साक्ष्य हमें उस दौर की 'इंजीनियरिंग' और 'लग्जरी' से रूबरू कराते हैं। यहाँ नियोजित सड़कें और गलियाँ मिली हैं, जिनकी चौड़ाई मुख्य मार्गों में अधिक तथा आवासीय क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम थी। ये राजस्थान के कालीबंगा की सड़कों से भी अधिक चौड़ी हैं। यह इस बात का सबूत है कि यहाँ व्यापार और आवागमन भारी मात्रा में होता था। खुदाई में यहाँ तांबे के औजार,

टेराकोटा की प्रतिमाएँ, मनके तथा सोने–चाँदी के आभूषण प्राप्त हुए हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि राखीगढ़ी एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र था। यहाँ के लोग कला-प्रेमी थे और उनका जीवन स्तर बहुत ऊंचा था। उपलब्ध साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि यहाँ आभूषणों का उपयोग और संभवतः निर्माण होता था, जबकि धातु-प्रसंस्करण के कुछ चरण अन्य हड़प्पा केंद्रों से जुड़े रहे होंगे। राखीगढ़ी का सबसे रोमांचक पहलू वह है, जो जमीन के नीचे सोया हुआ है। यहाँ कुल 9 टीले हैं। खुदाई के दौरान विशेषकर आरजीआर-7 में ऐसे कंकाल मिले हैं जो हमारे पूर्वजों की कहानी सुनाते हैं। सबसे अद्भुत खोज लकड़ी के ताबूत में मिला एक कंकाल है। 5000 साल पहले लकड़ी के ताबूत में अंतिम संस्कार करना एक विशिष्ट प्रथा थी, जो संभवतः किसी कुलीन या महत्वपूर्ण व्यक्ति के लिए अपनाई जाती होगी। इन कब्रों पर छतरियां बनाने की प्रथा के भी संकेत मिले हैं। कंकालों का सिर उत्तर दिशा की ओर रखा गया था और उनके पास खाने-पीने के बर्तन रखे गए थे, जो यह बताते हैं कि वे लोग मृत्यु के बाद के जीवन में भी विश्वास रखते थे। अब इन अवशेषों का डीएनए विश्लेषण यह राज खोलेगा कि 5500 वर्ष पूर्व लोगों की शारीरिक संरचना और खान-पान कैसा होता होगा।

इतिहासकार इस बात पर सहमत हैं कि यह शहर अब विलुप्त हो चुकी सरस्वती, दृषद्वती और उसकी सहायक नदियों के प्रवाह क्षेत्र में बसा था। यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं। यहाँ पानी की निकासी के लिए पक्की नालियां और सोख्ता गड्ढे मिले हैं, जो बताते हैं कि वे जल-संरक्षण और स्वच्छता के प्रति कितने जागरूक थे। मई 2012 में जब 'ग्लोबल हेरिटेज फंड' ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 विरासत स्थलों में शामिल किया, जिनके नष्ट होने का खतरा था, तो यह एक चेतावनी थी। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। हाल ही में आयोजित 'राखीगढ़ी महोत्सव' में लाखों लोगों ने शिरकत की और अपनी आँखों से 5000 साल पुरानी दीवारों को देखा। हरियाणा सरकार ने इस स्थल के संरक्षण और विकास के लिए 500 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक अनुदान घोषित किया है। यहाँ एक विश्व स्तरीय संग्रहालय और शोध केंद्र बन रहा है, जिसकी देखरेख का दायित्व हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी को सौंपा गया है।

नाकामियों से डरना नहीं चाहिए : सुशील दहिया

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

पिंक फिल्म के रंजीत शेरावत, 'रॉक स्टार' के कॉप, 'नो वन किल्ड जैसिका' के आरडी सर, 'थप्पड़' फिल्मके रोमेश सबरवाल, 'बैंड बाजा बारात' फिल्म के ब्रिगेडियर, 'तलवार' के लॉयर, 'मुखबिर' फिल्म के हिदायत अली, 'रेड 2' के चीफ़ मिनिस्टर व 'गोल्ड' के बलदेव सिंह का प्रमुख किरदार निभाने वाले सुशील दहिया अभिनय की दुनिया में अपनी सशक्त पहचान बना चुके हैं।

इन्होंने बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन, इरफ़ान खान, सैफ अली खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, रणदीप हुड्डा, प्रकाश राज, विद्या बालन, अनुष्का शर्मा, जैसे नामी कलाकारों के साथ काम करके अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। बता दें कि अभिनेता सुशील दहिया हरियाणा की पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाली उन गिनी-चुनी शख्सियतों में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि विदेशी फिल्मों में भी नाम कमाया है। अपनी ग़ज़ब की अंग्रेज़ी बोलचाल की शैली और अभिनय के कारण इनको हरियाणा के 'सईद जाफ़री' के नाम से भी जाना जाता है। सुशील दहिया का अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के स्तर तक पहुंचने का सफर बहुत अच्छा रहा। इसमें उन्हें कुछ चैलेंज ज़रूर आए पर जल्द ही उन्होंने उन पर क़ाबू पा लिया। हालांकि, जिस दौर में वह अभिनय की दुनिया में आए, उस समय हरियाणा में इतना काम नहीं हो रहा था। चूँकि उनकी शुरुआत दिल्ली में रंगमंच से हुई थी, इसलिए

हरियाणा में काम की कमी से उन पर ज़्यादा फ़र्क़ नहीं पड़ा। सुशील ने नेशनल व इंटरनेशनल दोनों स्तर पर काम किया है और अपनी बुलंदी के झंडे भी गाड़े हैं। इनका मानना है कि दोनों में ही मूलभूत अंतर है। अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन वेल्यूज़ बिल्कुल अलग हैं। वहां उच्च दर्जे की प्रोफेशनलिज्म मिलती है। कोई बड़ा छोटा एक्टर नहीं, बल्कि सभी को तक़रीबन एक समान सम्मान मिलता है। इसके विपरीत राष्ट्रीय लेवल में "लीड कास्ट" का वातावरण होता है। हरियाणवी सिनेमा जगत के संदर्भ में ये मानते हैं कि हरियाणा में बेशक सिनेमा की ज़मीन तैयार हो गई है लेकिन निर्माता और दर्शकों की कमी के मामले में यहाँ काफ़ी काम किए जाने की ज़रूरत है। दर्शकों को अगर अच्छा सिनेमा देखने को मिलेगा तो वो इससे जुड़ जाएंगे। अब शायद हरियाणा प्रोड्यूसर्स को ऐतिहासिक कहानियों से आगे सामाजिक, आधुनिक परिस्थितियों पर सोच-विचार करना चाहिए। सुशील दहिया ने कई विदेशी फिल्मों में काम किया है लेकिन वह अपनी पृष्ठभूमि के लिए भी काम करना चाहते हैं। इसके लिए वह तीन साल से कोशिश कर रहे हैं। स्वयं सुशील दहिया के शब्दों में- 'मैं चाहता हूँ कि हरियाणा में काम मिले। कोई यूँ कह के टाल देता है कि महंगे होंगे, कोई यूँ कहकर कि इतना ज़्यादा अनुभव नहीं चाहिए। मगर बात कोई नहीं करता और मुझसे डायरेक्ट बात किए बगैर ही दूर रहतें हैं।' कैरियर के शुरुआती दौर के संदर्भ में उन्होंने बताया कि उनकी सबसे ज्यादा मदद उनके ख़ुद के अनुशासन ने की। इसके अलावा कई अच्छे लोगों ने भरपूर मदद की, पर किसी व्यक्ति विशेष का नाम लेना उचित नहीं हैं। सबसे ख़ास बात यह है कि अभिनय के क्षेत्र में इतना अच्छा करने पर भी अभिनय का इन्होंने कोई ख़ास प्रशिक्षण नहीं लिया। बस स्कूल और कॉलेज में जो सीखा, वही उनके काम आ रहा है। इसलिए वह अनुभव को ही अपने अभिनय के प्रशिक्षण के तौर पर देखते हैं। यही वजह है कि बॉलीवुड में इनके पास काम की कोई कमी नहीं है और इन्होंने आने वाले समय में भी कई अच्छ-अच्छे प्रोजेक्ट साइन किए हैं। इसके बावजूद सुशील हरियाणवी सिनेमा के प्रति अपने जज़्बे को बरकरार रखते हुए उसमें भी एक अभिनेता के रूप में काम करना चाहते हैं। बॉलीवुड में अभिनय के जो सशक्त हस्ताक्षर हैं, उनमें अधिकांश के साथ इनको काम करने का अवसर मिला है।

हरियाणा में सिनेमा के क्षेत्र में आगामी पीढ़ी को वह संदेश देते हैं कि उन्हें मेहनत से नहीं डरना चाहिए और न ही अपनी नाकामियों से। जब कामयाबी मिल जाए तो अपने पैर ज़मीन पर ही रखने चाहिए। सदा सैट पर अपनी पूरी तैयारी के साथ जाना चाहिए। सैट पर सभी की इज़्ज़त करना चाहिए और भाव नहीं खाना चाहिए।

खबर संक्षेप

रक्तदान अच्छे संस्कारों को जन्म देता है : ढाका

रोहतक। राष्ट्र सेविका समिति एवं आपके साथ एक नई शुरुआत संस्था द्वारा इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से अधिवक्ता अनिता बुधवार के जन्मोत्सव पर स्वैच्छिक रक्तदान उत्सव का आयोजन आर्यनशं बोक्सिंग अकादमी, सुनारियां पर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथियों में जिला भाजपा अध्यक्ष रणबीर ढाका, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, पार्षद सुमन बुधवार, पार्षद प्रवीण कौशिक, आईएनएलडी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनेश लाकड़ा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजीव कोच एवं संयोजन अनिता बुधवार ने किया। आयोजन में मुख्य भूमिका रक्तदाता प्रेरक जेपी गौड़ एवं राजेश की रही। रणबीर ढाका ने कहा अपने जन्मदिवस पर रक्तदान अच्छे संस्कारों को जन्म देता है। विनेश लाकड़ा ने कहा समाज हित में अवश्य रक्तदान करें। अनिता बुधवार ने बताया इण्डियन रेडक्रास सोसायटी की टीम के सहयोग से 53 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

सभा का पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

रोहतक। जिला मुजफ्फरगढ़ सभा रोहतक की ओर से 20वां पारिवारिक मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन और सरस्वती वंदना से की गई, जिससे पूरे माहौल में सकारात्मक और सांस्कृतिक वातावरण बना। इसके बाद गीत-संगीत, चुटकले, प्रश्नोत्तरी, तंबोला, म्यूजिकल चेयर्स तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए लकी ड्रा जैसे मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर झज्जर जिले से कोट अद्दू बिरादरी के सदस्यों ने भी समारोह में सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि के रूप में चन्द्रकला बावेजा उपस्थित रहीं। उन्होंने सभा द्वारा सामाजिक एकता और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के प्रयासों की सराहना की।

शिक्षा भारती स्कूल वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष

शिक्षण संस्थाएं बच्चों को अच्छे संस्कार दें व प्राचीन संस्कृति के साथ जोड़ें: कल्याण

शिक्षा समिति को अपने स्वैच्छिक कोष से 11 लाख रुपये देने का किया ऐलान

विद्यालय की ई-मैगजीन का विमोचन किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने शिक्षण संस्थाओं का आह्वान किया कि वे बच्चों को अच्छे संस्कार दें तथा अपनी प्राचीन संस्कृति के साथ जोड़ें ताकि उनमें राष्ट्रीयता की भावना उत्पन्न हो और वे अच्छे इंसान बन सकें। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में पहुंचकर उन्हें प्रसन्नता हुई कि विद्यालय में कला, संस्कृति, ज्ञान और अनुशासन का अद्भुत संगम है। विद्यालय राष्ट्रभक्ति की विचारधारा से आगे बढ़ रहा है। कल्याण रविवार को शिक्षा भारती विद्यालय के वार्षिकोत्सव में मुख्यातिथि उपस्थित गण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षा समिति को अपने स्वैच्छिक कोष से 11 लाख रुपये देने की घोषणा की तथा विद्यालय की ई-मैगजीन का विमोचन भी किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

विद्यार्थियों को सम्मानित करते हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण,पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर व शिक्षा भारती विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्य व शिक्षा भारती स्कूल में पौधारोपण करते हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

विद्यालय की ओर से विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, महम के उपमंडलाधीश विपिन कुमार को अंगवस्त्र व स्मृतिचिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सिरसा के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन किनरा, मनीष बंसल, पूनम विग, कुरुक्षेत्र हिंदू शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. ऋषिराज विशिष्ट, शिक्षा भारती एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. एसएन मिश्रा, चेयरमैन हरिश कौशिक, शिक्षा भारती सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल सहगल, रमेश भाटिया, डॉ. आदित्य बतरा, नरेंद्र खट्टर, शिक्षा भारती विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अनुराग जैन, प्रबंधक हरीश वधवा, कोषाध्यक्ष महेंद्र गुलाटी, शिक्षाविद भदेश जैन, प्राचार्य ममता भोला सहित शिक्षण स्टाफ, अभिभावकगण व नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी मौजूद रहे।

पीएम-सीएम के नेतृत्व में अभूतपूर्व विकास

पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवरपूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि शिक्षा भारती विद्यालय राष्ट्र के प्रति समर्पित संस्था है। इस विद्यालय में विद्यार्थियों को राष्ट्र भक्ति की भावना से ओतप्रोत किया जाता है। वर्ष 2014 के बाद प्रदेश व देश में काफी बदलाव हुआ तथा देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अभूतपूर्व विकास किया है।

2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य

यह विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य कर रहा है। अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्र भक्ति की भावना से संचालित लगभग 25 हजार ऐसे संस्थान देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है।

बच्चों को संस्कृति के साथ जोड़ें

कल्याण ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास के साथ-साथ देश के हर बच्चे को संस्कारवान बनाकर उन्हें देश की संस्कृति से जोड़ें। कल्याण ने कहा कि ऐसी संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों को सुविधाएं तो दी जा रही हो परंतु बच्चों को संस्कृति के साथ आगे बढ़ाने से ही उनके जीवन में खुशहाली आयेगी तथा देश भी अपने प्राचीन गौरव को दोबारा प्राप्त कर सकेगा। उन्होंने भिवानी की एक बेटी का उदाहरण देते हुए कहा कि इस बेटी ने बी-टेक की शिक्षा ग्रहण करने के उपरांत आधुनिक कृषि के कार्य को अपनाया और उसकी सालाना आय 60 लाख रुपये तक पहुंच गई। प्रदेश के खिलाड़ी खेल के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व देश का नाम रोशन कर रहे है।

अवसरों की कमी नहीं

कल्याण ने कहा कि सभी बच्चे अपनी रूचि अनुसार अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। अभिभावक एवं अध्यापकगण बच्चों को ठीक-गलत का अंतर समझाये ताकि वे जीवन में अच्छे इंसान बनकर राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान दें सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अवसरों की कोई कमी नहीं है। विद्यार्थी अपनी रूचि को पहचानकर कठिन परिश्रम से आसमान छू सकते है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपब्लिधयां हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। विद्यालय की ओर से कक्षाओं में टॉपर रहने वाले 11 विद्यार्थियों को लैपटॉप भेंट कर सम्मानित किया।

संकल्प के लिए काम करें

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि भारत विकास परिषद मानव कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होंने परिषद के सदस्यों का आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में कार्य करें। सक्षम वर्ग गरीब व्यक्ति को समृद्ध करने के लिए कार्य करेगा तभी हर व्यक्ति आत्मनिर्भर हो सकता है। इसी उद्देश्य के साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान संचालित किया जा रहा है।

रोहतक। बापू पार्क में उपवास एवं सांकेतिक धरना देते पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विभिन्न विधायक व अन्य कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

जनविरोधी फैसले का सड़क से सदन तक करेंगे विरोध : हुड्डा

मनरेगा बचाओ संघर्ष अभियान के तहत बापू पार्क में सांकेतिक धरना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

कांग्रेस पार्टी के "मनरेगा बचाओ संघर्ष अभियान" के तहत रविवार को बापू पार्क, डी-पार्क में एक दिवसीय उपवास एवं सांकेतिक धरना आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, मनरेगा मजदूरों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा में किया गया बदलाव केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि इस जनकल्याणकारी योजना को समाप्त करने की कोशिश है। यह कदम दलितों, पिछड़ों, गरीबों, ग्रामीण मजदूरों और पंचायतों के अधिकारों पर सीधा हमला है। हरियाणा में 8 लाख से अधिक पंजीकृत मनरेगा मजदूर होने के बावजूद वर्ष 2024–25 में मात्र 2100 परिवारों को ही 100 दिन का काम मिल पाया, जो सरकार की नीयत और नीति दोनों को उजागर करता है। पहले मनरेगा को ज़मीन पर कमजोर किया गया और अब नाम बदलकर इसके अस्तित्व को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि मनरेगा गरीबों के लिए रोजगार की गारंटी है और भाजपा सरकार इसे कमजोर कर गरीबों से उनका हक छीन रही है। कांग्रेस इस जनविरोधी फैसले का सड़क से लेकर सदन तक हर स्तर पर विरोध करेगी।

अर्थव्यवस्था पर हमला

विधायक बीबी बत्रा ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी योजना को समाप्त करना भाजपा की गरीब-विरोधी सोच को दर्शाता है। कलानौर विधायिका शकुंतला खटक ने कहा कि मनरेगा के कमजोर होने का सबसे ज्यादा असर महिलाओं, दलितों और ग्रामीण परिवारों पर पड़ेगा। महम विधायक बलराम दांगी ने कहा कि मनरेगा गांव, किसान और मजदूर की आर्थिक रीढ़ है और इसे खत्म करने का प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा हमला है।

विद्यार्थी जीवन में सकारात्मक सोच को अपनाएं : डॉ ममता

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में एनएसएस शिविर में किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में 6 जनवरी से आरंभ हुए राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के छठे दिन विविधता में एकताः भारत की शक्ति विषय पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। दिन की शुरुआत योग सत्र से हुई, जिसमें स्वयंसेवकों ने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझते हुए सक्रिय भागीदारी की। इसके पश्चात वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। खेल गतिविधियों ने विद्यार्थियों में टीम भावना, सहयोग और अनुशासन को प्रोत्साहित किया। मुख्य सत्र में प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने "विविधता में एकताः भारत की शक्ति" विषय पर प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक विविधता है, जो हमें एक सूत्र में बांधती है और देश को सशक्त बनाती है। इसके उपरांत निदेशक सुरेंद्र मलिक द्वारा जीवन मूल्यों पर एक प्रेरक सत्र लिया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, सेवा भावना, ईमानदारी और सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। समग्र रूप से एनएसएस शिविर का छठा दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत रहा। उप प्रधानाचार्या मशेंका, सुमित, रोहित, कृष्णा, संदीप और एनएसएस के स्वयं सेवक मौजूद रहे।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

रोहतक। शहीद सुरेश कुमार पार्क में सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश करते जसबीर कुमार ने अपनी पोती के जन्मदिन को पौधारोपण कर मनाया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता दिखाई। कार्यक्रम के दौरान पार्क परिसर में कई प्रकार के छायादार व फलदार पौधे लगाए गए। जसबीर कुमार ने कहा कि जन्मदिन जैसे खुशी के अवसर पर पौधारोपण करना आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण का उपहार है। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम में धर्म सिंह प्रजापति, जगदीश शर्मा, वीरेंद्र सिंह, मार्ग प्रवीण सहगल, विकास, जोगिंदर, प्रीतम अहलावत, भूषण वाधवा, प्रदीप सहगल और अनुरोध शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने पौधों की देखभाल का संकल्प भी लिया।

नई शिक्षा नीति एक क्रांतिकारी कदम

प्राचार्य बोले, कौशल, नवाचार एवं जीवनोपयोगी ज्ञान देगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महम

महम। मदीना के आर्य स्कूल में आयोजित अध्ययन गोष्ठी में भाग लेते शिक्षक।

आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 पर एक जानकारीपूर्ण एवं प्रेरणादायक अध्ययन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। दांगी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी कदम है, जो शिक्षा को रटंत प्रणाली से हटाकर कौशल, नवाचार एवं जीवनोपयोगी ज्ञान से जोड़ती है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे नीति के उद्देश्यों को व्यवहारिक रूप में अपनाते हुए कक्षा-कक्ष तक प्रभावी रूप से पहुंचाएं। इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन रिश्वंत कौर एवं मुकेश रानी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की प्रमुख विशेषताओं जैसे समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा प्रणाली, कौशल-आधारित शिक्षण, विषय चयन में लचीलापन, आलोचनात्मक एवं रचनात्मक सोच का विकास, मूल्य-आधारित शिक्षा तथा शिक्षकों की सशक्त भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी सारगर्भित चर्चा की।

गुरु की महिमा का किया बखान

रोहतक। सरबंस दानी एवं सिख पंथ के दशम गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व को समर्पित भव्य कीर्तन दरबार का आयोजन रविवार को स्थानीय डीएलएफ कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा बाबा सोमा शाह में श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारे को रंग-बिरंगी लाइटों व आकर्षक फूलों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। हेड ग्रंथी भाई गुरजीत सिंह ने बताया कि दूर-दूर से पहुंची संगत ने दरबार साहिब में माथा टेक कर सुख-शांति व खुशहाली की अरदास की। प्रात काल श्रीअखंड पाठ साहिब की संपूर्णता के उपरांत हजूरी रागी बीबा मनजोत कौर ने मधुर वाणी में गुरुवाणी का गायन कर संगत को निहाल किया।

निःशुल्क नेत्र-स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

रोहतक। सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए बेनिस फाउंडेशन, द्वारा ग्राम आसन, रोहतक में एक निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा समय रहते बीमारियों की पहचान करना रहा। सीए सज्जन बैनीवाल ने बताया कि शिविर में गांव एवं डॉ. जयदेव, डॉ. कनूप्रिया चिकित्सकों द्वारा रक्तचाप, शुगर, आंखों की रोशनी सहित अन्य आवश्यक परीक्षण किए गए। जांच के दौरान कई लोगों में आंखों से संबंधित समस्याएं एवं सामान्य स्वास्थ्य संबंधी रोग पाए गए।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम बच्चों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि केनटिक टैक्नॉलीजी के मैनेजिंग डायरेक्टर नवीन शर्मा ।

लक्ष्य के बिना उन्नति असंभव

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट नए भवन के सेठ विमल प्रसाद मेमोरियल हॉल में बाल संस्कार व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया जिसमें मुख्य अतिथि केनटिक टैक्नॉलीजी के मैनेजिंग डायरेक्टर नवीन शर्मा और उनकी धर्मपत्नी वीना शर्मा और प्रवीण गर्ग ने भगवान गणेश के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रवीण गर्ग ने जिन विद्यार्थियों ने ट्रस्ट में पहला, दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया था, उनको 30 कंबल वितरित किए। रीना शर्मा ने बताया कि बच्चों को अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए। लक्ष्य के बगैर बच्चों की उन्नति करना असंभव है।

गोष्ठी साहित्यकारों का मिलन समारोह : रमाकांता

रोहतक। वंदन साहित्यिक मंच के सौजन्य से विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर साहित्यिक-गोष्ठी का आयोजन किया गया। मंच की अध्यक्ष डॉ. रमाकांता ने सहभागी साहित्यकारों का स्वागत करते हुए बताया कि नववर्ष 2026 की पहली गोष्ठी व साहित्यकारों का मिलन समारोह है। इसमें हमें वर्षभर के कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार करनी है। गोष्ठी की अध्यक्षता बृजबाला गुप्ता ने तथा संचालन डॉ. अंजना गर्ग ने किया। इस अवसर पर डॉ. कृष्णलाल गिरधर, प्रो. शामलाल कौशल, आशा खत्री 'लता', बृजबाला गुप्ता ने काव्य रचनाओं का पाठ किया।

चेखव के चर्चित नाटक 'सेडक्शन' का रोहतक में प्रभावशाली मंचन

रोहतक। दुनिया के प्रसिद्ध नाटककार एंतोन चेखव के चर्चित नाटक सेडक्शन का स्थानीय स्कॉलर्स रोजरी स्कूल में प्रभावशाली मंचन किया। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा के सहयोग से हरियाणा इंस्टिट्यूट ऑफ परफोर्मिंग आर्ट्स (हिपा) के कलाकारों ने एक घंटे लंबे रोमांस व कॉमेडी नाटक से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। नाटक का निर्देशन जाने-माने रंगकर्मी विश्वदीपक त्रिखा ने किया। मुख्य अतिथि छात्र कल्याण विभाग, मदवि रोहतक के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. जगबीर राठी रहे।

दर्शकों ने सराहा

नाटक की कहानी में प्रेम, छल और मानवीय मूल्यों को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। आयरीना की भूमिका वरिष्ठ अभिनेत्री सुहासिनी ने निभाई, जबकि अविनाश सैनी और अभिषेक ने अन्य प्रमुख किरदारों को जीवंत किया। नाटक के बाद भ्रूण हत्या पर आधारित लघु नाटिका *कन्या भ्रूण का श्राप* का मंचन किया गया।

लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते सुभाष नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य।

लाल बहादुर शास्त्री को पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की

रोहतक। सुभाष नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक में कॉलोनी की प्रमुख समस्याओं जैसे सीवरेज ब्लॉक होना, आवारा कुत्तों व बंदरों द्वारा लोगों को काटने की घटनाएं तथा पानी की अनियमित आपूर्ति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में इन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से समन्वय कर कार्रवाई करने पर सहमति बनी। इस अवसर पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं सादगी के प्रतीक महान राष्ट्र नेता लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रधान सेवक प्रवीन सहगल व महासचिव कमल दुरेजा ने शास्त्री के दृढ़ नेतृत्व, ईमानदारी और त्याग को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन समय में देश को एकजुट किया और 1965 के युद्ध में राष्ट्र के स्वाभिमान को मजबूत किया। श्रद्धांजलि अर्पण में कलानौर विधायक शकुंतला खटक, विकास नागर, प्रदीप सहगल, नरेश डंग, राजेश मलिक, अनिल अरोड़ा, अनुरोध सहित अन्य मौजूद रहे।

रामा आश्रम में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा

श्रीकृष्ण जन्म की दिव्य कथाओं का किया उल्लेख

कथा का हर क्षण भक्तों को भगवान से जोड़ने वाला

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

श्रीनगर कॉलोनी स्थित रामा आश्रम में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ (चौथे) दिवस का आयोजन रविवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। कथा का प्रत्येक क्षण भक्तों को भगवान की लीलाओं से जोड़ने वाला रहा और पूरा परिसर हरि नाम संकीर्तन से गूंज उठा।

कथा के चौथे दिवस पर कथा व्यास स्वामी रामानुज दास ने अपनी मधुर, ओजस्वी और हृदयस्पर्शी वाणी से सर्वप्रथम श्री वामन भगवान की कथा का सुंदर वर्णन किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार भगवान ने वामन रूप धारण कर राजा बलि के अहंकार को नष्ट किया और यह संदेश दिया कि ईश्वर के सामने समर्पण ही सबसे बड़ा बल है। वामन अवतार के माध्यम से त्याग, विनम्रता और भक्ति का गूढ़ रहस्य भक्तों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत कथा व्यास ने सूर्यवंश का विस्तृत वर्णन करते हुए श्रीराम के जन्म प्रसंग को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने श्रीराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सत्य, धर्म, मर्यादा, त्याग और करुणा का मार्ग ही मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाता है। भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण का प्रसंग सुनते ही संपूर्ण पंडाल "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु भावुक हो उठे और अनेक भक्तों की आंखों से भक्ति के आंसू छलक पड़े। कथा का आयोजन महंत अशोक दास महाराज के पावन सानिध्य में हो रहा है।

जय कन्हैया लाल के जयकारे गूंजे

इसी क्रम में कथा व्यास ने सबसे प्रिय, आनंदमय और अत्यंत महत्वपूर्ण भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा का भावविभोर कर देने वाला वर्णन किया। भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण का प्रसंग सुनते ही संपूर्ण पंडाल "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु भावुक हो उठे और अनेक भक्तों की आंखों से भक्ति के आंसू छलक पड़े। कथा का आयोजन महंत अशोक दास महाराज के पावन सानिध्य में हो रहा है।

उपदेशों को अपने जीवन में उतारें

उन्होंने अपने आशीर्वचन में कहा कि श्रीमद् भागवत कथा केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ग्रंथ है, जो मानव को भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और सदाचार का मार्ग दिखाता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे कथा के उपदेशों को अपने जीवन में उतारें। कथा के चौथे दिवस में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, पुरुष एवं युवा वर्ग उपस्थित रहा। सभी भक्तों ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद एवं पुण्य लाभ प्राप्त किया।

डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में शानदार प्रदर्शन सेक्टर-1 की बेटी ने बढ़ाया शहर का मान

राष्ट्रीय निशानेबाजी में निआ की बड़ी उपलब्धि केएसएस इंडिया टीम ट्रायल्स के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टर-1 की रहने वाली निआ शर्मा ने खेल जगत में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। निआ ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करते हुए न केवल प्रतियोगिता पास की, बल्कि अब वह आधिकारिक रूप से आईएसएसएफ क्वालिफाइड शूटर भी बन गई हैं। इसके साथ ही निआ का चयन के.एस.एस. इंडिया टीम ट्रायल्स के लिए भी हो गया है, जिसे उनके करियर की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

दिल्ली में हुई प्रतियोगिता, शीर्ष निशानेबाजों में छाईं

यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चैंपियनशिप नई दिल्ली के तुगलकाबाद स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 11 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक आयोजित की गई थी। देशभर के शीर्ष निशानेबाजों के बीच निआ ने अपने सटीक निशाने और मानसिक मजबूती से खुद को साबित किया। निशानेबाजी के साथ-साथ निआ शर्मा टेबल टेनिस में भी पहले से ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। वर्ष 2019 में आयोजित पहली भारतीय टेबल टेनिस मैराथन में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। इसी वर्ष प्रोमेथियस स्वर्ण कप प्रतियोगिता में रजत पदक अपने नाम किया। वर्ष 2020 में आयोजित तृतीय ओपन एस.आर.एस. टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भी निआ ने रजत पदक हासिल किया। इसके बाद वर्ष 2022 में आयोजित चतुर्थ ओपन एस.आर.एस. प्रतियोगिता में भी उन्होंने रजत पदक जीतकर निरंतरता का परिचय दिया। निआ की इस उपलब्धि से परिवार, कोच और क्षेत्र के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि निआ आने वाले समय में राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन कर सकती हैं।

69वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स में रीया बल्हारा ने जीता स्वर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंजाब के लुधियाना में 6 से 10 जनवरी 2026 तक आयोजित 69वें नेशनल स्कूल गेम्स (एसजीएफआई) जूडो प्रतियोगिता (अंडर-14) में हरियाणा टीम की खिलाड़ी रीया बल्हारा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 44 किलोग्राम भार वर्ग में रीया की इस जीत से जिले और स्कूल का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है। बहु अकबरपुर निवासी रीया ने बताया कि खेल उन्हें विरासत में मिला है। उनके दादा धर्मबीर पहलवान जाने-माने कुश्ती और फुटबॉल खिलाड़ी रहे हैं। वहीं उनके पिता नरेंद्र ने भी जूडो में अपनी पहचान बनाई है और वर्ष 2024 में लुधियाना में आयोजित जूडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीत चुके हैं। रीया ने बताया कि उनके पिता का अटूट समर्थन और मार्गदर्शन ही उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत है। रीया छोटूराम स्टेडियम स्थित मेहताब सिंह जूडो अकादमी में नियमित अभ्यास करती हैं। उनकी इस उपलब्धि के पीछे कोच शक्ति सिंह, सोमबीर, मोनू, विकास और परीक्षित का विशेष योगदान रहा है।

रोहतक। खिलाड़ी रीया बल्हारा का स्वागत करते ग्रामीण।

खबर संक्षेप

एमडीयू में स्वदेशी संकल्प दौड़ आज

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में 12 जनवरी 2026 को स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे विवेकानंद लाइब्रेरी के सामने से प्रारंभ होगा। डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो सपना गर्ग ने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. सुरेश चंद्र मलिक तथा एमडीयू के कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत उपस्थित रहेंगे।

विधायक का आह्वान : युवा नशे से बचें, पुस्तकों से जुड़ें

रोहतक। तेज कॉलोनी में नवनिर्मित संत कबीर लाइब्रेरी हॉल का विधायक भारत भूषण बत्रा ने विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर पुस्तकों को अपना मित्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह लाइब्रेरी शिक्षा, संस्कार और सामाजिक चेतना का केंद्र बनेगी। लाइब्रेरी हॉल के निर्माण के लिए विधायक भारत भूषण बत्रा की ओर से विधायक निधि से 21 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है।

एएमओ भर्ती विवाद में अभ्यर्थियों ने पूर्व सीएम हुड्डा को सौंपा ज्ञापन

परीक्षा पास करके भी सिस्टम से 'फेल' हुए डॉक्टर, सड़क से लेकर कोर्ट तक खा रहे धक्के

13 साल के लंबे इंतजार के बाद निकली थी आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर की भर्ती कई विवादों में घिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा 21 जून 2024 को 805 पदों पर निकाली गई आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर की भर्ती पर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। 13 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद यह भर्ती निकाली गई थी। इसका परिणाम घोषित होने के बाद खामियों को लेकर अभ्यर्थी लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। रविवार को इन अभ्यर्थियों ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई। पूरा विवाद एचपीएससी द्वारा 16 से 20 अगस्त के दौरान आवेदन पोर्टल को दोबारा खोले जाने से पैदा हुआ। इस दौरान जिन अभ्यर्थियों ने नए सिरे से आवेदन किए, उनमें से चार अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा में पास होने के बावजूद रिजेक्ट कर दिया गया। अब ये अभ्यर्थी न्याय के लिए भटक रहे हैं। इन अभ्यर्थियों के ऊपर ओवरऐज होने की भी तलवार लटकी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा को ज्ञापन देकर डॉ. अमृत ने बताया कि 21 जून 2024 को खुली आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर की भर्ती में एचपीएससी ने 16 से 20 अगस्त के दौरान दोबारा आवेदन के लिए पोर्टल खोला था। इस दौरान उन्होंने नए सिरे से आवेदन किया और बीसी का नया सर्टिफिकेट भी अपलोड किया।

आयोग ने नए आवेदन क्यों किए

अभ्यर्थियों का कहना है कि जब आयोग ने 16 से 20 अगस्त 2024 तक पोर्टल दोबारा खोला, तब केवल फॉर्म व दस्तावेज अपलोड करने की ही नहीं, बल्कि नए पंजीकरण, नया आवेदन भरने और हस्ताक्षरित फॉर्म अपलोड करने की पूरी अनुमति दी गई थी। इस दौरान ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया था कि इसका लाभ केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगा जिन्होंने 12 जुलाई से पहले आवेदन किया था या जो पहले से पंजीकृत थे लेकिन सर्वर में तकनीकी समस्या के कारण फॉर्म अपलोड नहीं कर पाए थे। सवाल यह भी खड़ा होता है कि जब पोर्टल दोबारा खोला गया तो नए आवेदन स्वीकार क्यों किए गए? जब आवेदन बाद में रिजेक्ट करने थे तो उनके परीक्षा में पास होने का इंतजार क्यों किया गया?

हुकटा ने पूर्व सीएम हुड्डा को सौंपा ज्ञापन, जॉब सिक्योरिटी की उठाई मांग

रोहतक। हरियाणा यूनिवर्सिटीज कॉन्ट्रैक्चुअल टीचर्स एसोसिएशन (हुकटा) के प्रतिनिधिमंडल नेता प्रतिपक्ष एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से उनके रोहतक स्थित निवास पर मुलाकात कर राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों में कार्यरत पात्र अनुबंधित शिक्षकों की जॉब सिक्योरिटी को लेकर ज्ञापन सौंपा। भूपेंद्र हुड्डा ने बताया कि वह इस मुद्दे को पहले भी विधानसभा में उठा चुके हैं और सरकार से जल्द सेवा-सुरक्षा विधेयक लाने की मांग करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगामी सत्रों में इस विषय को मजबूती से उठाकर सरकार से देरी के कारणों पर सवाल किए जाएंगे। हुकटा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. विजय मलिक और उपाध्यक्ष डॉ. शर्मिला यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों के अनुबंधित शिक्षकों को भी कॉलेजों के एक्सटेंशन लेक्चरर्स की तरह कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जॉब सिक्योरिटी न होने से हजारों शिक्षक असुरक्षा और मानसिक तनाव में हैं। प्रतिनिधिमंडल में सुमन रंगा, अमित मलिक, सोहनलाल, संदीप कुमार, सुशील सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जर्जर सड़क से हजारों लोगों को मिलेगी मुक्ति

लाखनमाजरा–गोहाना सड़क के पुनर्निर्माण से सफर होगा सुरक्षित

37 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 29 करोड़ की लागत से हो रहा नया निर्माण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और यातायात को मिलेगा नया सहारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वर्षों से बदहाल स्थिति में पड़ी लाखनमाजरा–गोहाना सड़क अब नए रूप में नजर आएगी। करीब 37 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग के पुनर्निर्माण कार्य की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। 29 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क को आधुनिक मानकों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, जिससे न केवल सफर आसान होगा, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी।

यह सड़क वर्ष 2019 में बनी थी लेकिन समय के साथ बढ़ते यातायात दबाव, भारी वाहनों की आवाजाही और नियमित रखरखाव न होने के कारण इसकी हालत बेहद खराब हो चुकी थी। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी हुई परत और असमतल सतह आम बात हो गई थी। खासकर लाखनमाजरा कस्बे और आसपास के हिस्सों में हालात इतने खराब थे कि वाहन चालकों को हर रोज जोखिम उठाकर सफर करना पड़ता था। स्थानीय निवासियों का कहना है कि खराब सड़क के कारण न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बना रहता था। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे थे। बरसात के मौसम में जलभराव से स्थिति और भी भयावह हो जाती थी।

बढ़िया सड़क, बेहतर विकास

लोगों का कहना है कि नई सड़क बनने से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी, व्यापारिक वाजाही तेज होगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कुल मिलाकर लाखनमाजरा–गोहाना सड़क का पुनर्निर्माण क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

यह सड़क मुख्य सड़कों में से एक

लाखनमाजरा–गोहाना मार्ग क्षेत्र की मुख्य संपर्क सड़कों में से एक है। इसी रास्ते से रोजाना हजारों वाहन—निजी कारें, बसें, ट्रक और कृषि कार्यों में प्रयुक्त वाहन—आवागमन करते हैं। गोहाना की ओर शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और प्रशासनिक कार्यों के लिए लोगों की निर्भरता इसी सड़क पर है। सड़क खराब होने से न केवल यात्रा लंबी हो जाती थी, बल्कि ईंधन खर्च और वाहन क्षति भी बढ़ रही थी। अधिकारियों ने निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए हैं कि कार्य को तय समय सीमा में और मानकों के अनुसार पूरा किया जाए, ताकि भविष्य में सड़क लंबे समय तक टिकाऊ बनी रहे।

लोगों में राहत की उम्मीद, गुणवत्ता पर नजर

सड़क निर्माण शुरू होने से क्षेत्रवासियों में संतोष का माहौल है। लोगों का कहना है कि यदि कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ पूरा किया गया, तो उन्हें वर्षों तक खराब सड़क से छुटकारा मिल जाएगा। साथ ही स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण की नियमित जांच की जाए, ताकि किसी भी तरह की लापरवाही न हो।

सड़क वर्ष 2019 में बनी थी

29 करोड रुपये की लागत से इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। यह सड़क वर्ष 2019 में बनी थी, लेकिन बीते कुछ वर्षों में लगातार बढ़े यातायात दबाव और रखरखाव के अभाव में इसकी हालत बेहद खराब हो चुकी थी। लखनमाजरा एरिया की सड़क ज्यादा खराब हो चुकी थी।

-अरुण कुमार, कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग

एमडीयू में खेलों का महाकुंभ: उत्तर क्षेत्रीय महिला क्रिकेट और टेनिस प्रतियोगिता शुरू

जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता और कुलपति ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के खेल परिसर में आज उत्तर क्षेत्रीय अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट (महिला) तथा उत्तर क्षेत्रीय अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय टेनिस (महिला) प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ हुआ। इन प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं का उद्घाटन जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता, आईएएस तथा कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने किया। उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक दक्षता बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और खेल भावना का विकास करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में भी निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

बीजेपी नेता काट रहे कॉलोनियां, दीन दयाल के नाम पर लिए लाइसेंस : अभय

रोहतक। इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला ने रविवार को भाजपा व कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के विधायक, सांसद व नेता कॉलोनी काटने में लगे हुए हैं। पंडित दीन दयाल के नाम से प्लाट काटे जा रहे हैं, जिनके लाइसेंस भाजपा नेताओं के नाम पर हैं। वे लाढ़ौत रोड पर एक जनसभा को सम्बोधित करने पहुंचे थे। अभय चौटाला ने कहा कि नए डीजीपी का एक बयान आया कि प्रदेश में 10 हजार बदमाश हैं। पिछले 11 साल से भाजपा की सरकार है, यानि हर साल एक हजार बदमाश पैदा हो गए। बदमाशों को संरक्षण देने का काम किसने किया। अभय चौटाला ने कहा कि भाजपा ने मनरेगा का नाम बदलकर बजट को भी घटा दिया। सरकार के पास पहले ही कर्मचारियों की तनख्वाह देने का पैसा नहीं है और केंद्र सरकार ने नई स्कीम में 40 प्रतिशत का बोझ सरकार पर डाल दिया। उन्होंने किहा होना तो यह चाहिए था कि 100 प्रतिशत पैसा केंद्र सरकार ही देती। इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला ने कहा कि मनरेगा स्कीम तो बाद में आई थी।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला।

सकारात्मक आदतों का विकास करें युवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा में राष्ट्रीय युवा दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान महम शहर व आस पास के गांवों के कई अनेक युवक युवतियों ने भाग लिया। इस दौरान कई तरह के गेम करवाए गए। इन खेलों के जरिए नकारात्मक विचारों से दूर रहने का संदेश दिया। ओम शांति सेंटर संचालिका बीके चेतना ने कहा कि आज का युवा केवल सफलता की दौड़ में ही नहीं है, वह स्वस्थ, संतुलित और उद्देश्यपूर्ण जीवन की ओर भी अग्रसर है। बीके चेतना ने कहा कि युवा सबसे पहले अपने अंदर विचारों की स्पष्टता लाएं। लक्ष्यों और भावनाओं को मजबूत बनाएं। मन की शांति पर काम करें। सकारात्मक आदतों का विकास करें। अपनी जीवन शैली में सुधार लाएं। क्योंकि डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार हमारे स्वास्थ्य का 55 प्रतिशत हिस्सा हमारी जीवन शैली और दैनिक आदतों पर निर्भर करता है। आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

महम। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते युवक युवतियां।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5X8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

बड़ोली बोले, इस पैथी पर रिसर्च करें डॉक्टर

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा को लोगों तक पहुंचाएं

जल्द ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी को हरियाणा में मान्यता मिलेगी

चेयरमैन डॉ. खनगवाल बोले, इस पैथी में हर बीमारी का इलाज संभव

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ. सीसी मैटी 217वीं जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा (ईएचएमसीएचआर) और एएएमसी ने रविवार को रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. काउंट सीजर मैटी की 217वीं जयंती मनाई। वहीं ईएचएमसीएचआर ने अपना 9वां वार्षिक समारोह बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली ने किया। इस मौके पर बडोली ने स्वस्थ हरियाणा के निर्माण में वैकल्पिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा के समाज सेवा के प्रयासों की सराहना की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह पैथी इलाज में काफी कारगर रही है। इस पैथी के डॉक्टर्स और छात्र रिसर्च करें और जन-जागरूकता बढ़ाते हुई इसे जन जन तक पहुंचाएं। ऐसे कार्यक्रम समग्र एवं निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाते हैं और जागरूकता बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जल्द ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता मिलेगी। सबका साथ, सबका विकास की भावना को समावेशी स्वास्थ्य विकास का आधार बताया।

रोहतक। पुस्तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी परिचय और सिद्धांत का विमोचन करते हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली।

डॉ. मैटी को पुष्पांजलि अर्पित

इस अवसर पर डॉ. काउंट सीजर मैटी को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके चिकित्सा क्षेत्र में योगदान एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थापना के लिए किए गए कार्यों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इसके अलावा हरियाणा इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा का कैलेंडर जारी किया गया और पुस्तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी परिचय और सिद्धांत का विमोचन किया गया।

परिषद की उपलब्धियां बताई

कार्यक्रम के दौरान परिषद के नौ वर्षों के सेवा कार्य, उपलब्धियों एवं भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने जन-स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने हेतु इलेक्ट्रो होम्योपैथी की संगठित प्रगति, शिक्षा, शोध एवं नैतिक अभ्यास की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ हरियाणा के संकल्प के साथ हुआ, जिसमें समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा क्षेत्र में और अधिक समर्पण से कार्य करने का आह्वान किया गया।

इलेक्ट्रो हाम्योपैथी को मिले मान्यता

ईएचएमसीएचआर के चेयरमैन डॉ. विनोद खनगवाल ने कहा कि इलाज की इस पैथी यानी इलेक्ट्रो होम्योपैथी में सभी बीमारियों का इलाज संभव है। सभी डॉक्टर्स मिलकर इस पैथी को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लें। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से आग्रह किया कि वे इलेक्ट्रो होम्योपैथी को हरियाणा में मान्यता दिलवाएं। इस मौके पर ईएचएमसीएचआर के चेयमैन डॉ. विनोद खनगवाल, सचिव डॉ. संदीप सैनी, रजिस्ट्रार वेद पाल सिंह, वॉयस चेयरमैन डॉ.विनोद तोबरिया, इटालिका हर्बल रेमेडीज ईएच केडी फार्मा की चेयरपर्सन डॉ. उषा खंगवाल, कैशियर, डॉ.रोहित कटारिया और प्रदेशभर से आए अन्य डॉक्टर्स मौजूद रहे।

गोयल क्रिकेट क्लब ने संजू स्टार्स को 6 विकेट से पराजित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रविवार को विश्वकर्मा क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए गोयल विंटर क्रिकेट कप 2026 के लीग मुकाबले में गोयल क्रिकेट क्लब ने संजू स्टार्स को 6 विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आक्रामक क्रिकेट का प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर स्टार्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। स्टार्स टीम 19 ओवरों में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। प्रयास कादियान ने 20 गेंद पर 36 रन की तेज़ पारी खेली, जबकि यश शोकीन ने 16 गेंद पर 27 रन बनाए। कप्तान सुमित राठी ने भी 23 रन का योगदान दिया, लेकिन अन्य बल्लेबाज पिच पर ज्यादा देर तक रूक नहीं पाए। गोयल क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी में कप्तान अभिनव गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 42 रन देकर 4 विकेट झटके। उनके अलावा दीपांशु भारद्वाज ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए केवल 13 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि सुषांत सुमन ने सिर्फ 1 ओवर में 2 विकेट लेकर विपक्षी टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।

भव्य शर्मा को मैन ऑफ द मैच

153 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोयल क्रिकेट क्लब की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। भव्य शर्मा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए केवल 34 गेंद पर 83 रन बनाए। उनकी इस शानदार पारी में 10 चौके और 6 छक्के शामिल थे। शर्मा ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाए और मैच को पूरी तरह क्लब के पक्ष में मोड़ दिया। इनके अलावा चिराग ने 19 गेंद पर 27 रन बनाए। अंत में विकेटकीपर हर्ष ने नाबाद 23 रन और रुपेश निजहावन ने नाबाद 9 रन बनाकर टीम को 13.4 ओवरों में ही जीत दिला दी। क्लब ने 4 विकेट खोकर 156 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मुकाबले में विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए भव्य शर्मा को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्हें ही मैच का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज भी चुना गया। वहीं गेंदबाजी में 4 विकेट लेने वाले गोयल क्रिकेट क्लब के कप्तान अभिनव गुप्ता को मैच का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया।